

विषय—संस्कृत साहित्य

कक्षा— XI

समय—3.15 घण्टा

उद्देश्य	ज्ञान	अर्थग्रहण / अब गोष	अभिव्यक्ति / ज्ञानोपयोग	मौलिकता / कौशल	कुल योग
प्रतिशत	50%	20%	20%	10%	100%

नोट:- 1. उद्देश्य ये अंकों में 5 प्रतिशत तक + या - का शिखिलान समय है किन्तु प्रश्नों की संख्या में परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

2. निवन्धात्मक प्रश्नों में अधिया याला प्रश्न आवश्यक रूप से देना है।

प्रकरण वार अंक विभाजन

विषय—संस्कृत साहित्य

कक्षा— XI

समय—3.15 घण्टा

क्र.सं.	प्रकरण य इकाई का नाम	प्रथम परख	द्वितीय परख	अर्द्धपार्षिक परीक्षा	तृतीय परख	पार्षिक परीक्षा
	अंक भार	10	10	प्रश्नXअंक 70	10	100
1.	पठितायबोधन	10				
(i)	पादयुत्तकात् बहुचिकल्पा प्रश्नाः सप्त प्रश्नाः			7X1=3½		7X1=7
(ii)	पादयुत्तकात् अशक्यम् (एकः गदाशः, एकः चत्वारिंशः, एकः नाट्याशः)			13½		18
(क)	एकपदेन उत्तरम् प्रश्न द्वयम्			2X½=1		2X½=1
(ख)	पूर्णायाक्षयेन उत्तरम् प्रश्न द्वयम्			2X1=2		2X1=2
(ग)	भाषिक कार्यम् प्रश्न त्रयम्			3X½=1½		3X1=3
(iii)	एकत्र्य पद्यात्य अन्ययलेखनम्			2		3
(iv)	पादयुत्तकात् पद्यांशत्य सूक्ष्मपद्यचननत्य या हिन्दीभाषायाम् भाषार्थ लेखनम्			2		2
(v)	एकत्र्य गदा पाठ्यरूप हिन्दीभाषायां सार लेखनम्			3		3
(vi)	पादयुत्तकात् शब्दार्थ लेखनम् (पट्टशब्दानाम्)			6X½=3		6X½=3
(vii)	रेखांकितपदानि ज्ञायृत्य प्रश्नानिर्माण (चत्वारः)			4X½=2		4X1=4
2.	संस्कृत साहित्यस्य इतिहास (प्रश्नाः—बहुचयनात्मकाः, रिक्तस्थानपूर्तिः, अतिलाङ्घुत्तमकाः च)	5				
(i)	संस्कृतसाहित्यस्य प्रमुख लेखकानाम् तेषां काव्यानां च समिक्षा परिचयः— कालिदासः, शीर्हव्यः, भारद्वाजः, मात्ता, शूद्रकः, भग्नभूतिः			4		6
(ii)	नाट्य प्रियंक शब्दायली—परिचयः; नान्दी, नेत्रध्यम् प्रस्तावना, आत्मगतम् प्रकाशम्, जनान्तिकम्, भरतद्याक्यम्			1		2
(iii)	साहित्यरूप प्रमुख काव्यानां परिचयः— रामायणम्,			1		2

	महाभारतम्				
3.	अपठितावधोद्यनम्				
	80–100 शब्द परीक्षितः एक सरल अपठित गदाशः। संस्कृतसाहित्यपरिचयकं पिपयद्यस्तु स्थानः।				
	प्रश्न यथिव्यम् :				
(i)	एक पदेन उत्तरम् (प्रश्नद्वयम्)		2X½=1	2X1=2	
(ii)	पूर्णं यावदेन उत्तरम् (प्रश्नत्रयम्)		3X1=3	3X1=3	
(iii)	भाषणिकार्यम्— (चत्पार)		4X½=2	4X½=2	
	पिशेषण—यिशेष्य / पर्याय / प्रिलोममादिचयनम्,				
	सर्वनाम स्थान संज्ञा प्रयोगः / कर्तृक्रियापदचयनम्				
(iv)	समुचित शीर्षक प्रदानम्		1	1	
4.	रचनात्मक कार्यम्	5			
	संस्कृतेन रचनात्मककार्यम्				
(i)	प्रदत्त संकेताधारितम् औपचारिक जनापचारिक या पत्रम् / प्रार्थनापत्रम्		3	4	
(ii)	संकेताधारितम् अनुच्छेद लेखनम्		3	4	
(iii)	अनुयादकार्यम् (चतुर्पार्म)		3	4	
5.	अनुप्रयुक्त व्याकरणम्		10		
	(प्रश्नाः— बहुव्यानात्मकाः, रिक्तस्थानपूर्तिः,				
	अतिलघूत्यात्मकाः, लघूत्यात्मकाः च)				
(i)	वर्णानाम उच्चारणस्थानत् प्रयत्नानि		2	3	
(ii)	संख्या		2	3	
	(i) स्वर संख्या— दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि, पूर्वरूपम्, पररूपम्				
	(ii) व्याजन संख्या—श्वृत्यम्, प्दुत्यम्, पात्यविधानम्, पत्यविधानम्, माऽनुत्यारः पर संख्यः।				
	(iii) विसर्ग संख्या—सत्यम्, उयतम्, रूत्यम्, लोपः।				
(iii)	शब्द रूपाणि— राम, हरि, सर्वि, रमा, मित्र, गुरु, मातृ, नदी, अस्मद्, युष्मद्, तत्, इदम्, राजन्, भयत्, विष्वल, अदल, ताङ्गश, दिश, सरित्।		2	4	
(iv)	धातु रूपाणि—		2	4	
	(i) परत्मपदिनः— भू, पठ, ठस, घच, लिङ्, अस, पा, क्, ठन्, त्रुत्, अप्, शक्, शा, चिन्।				
	(ii) आत्मनेपदिनः— सेय, लम्, रुच, मुद, याच, ऐथ्।				
	(iii) उभयपदिनः—भज्, पच्, नी, ह।				
(v)	जटोलिखित प्रत्यययुक्तानि पदानि अथिकृत्यप्रश्नाना—		2	4	
	(i) कृदन्तानि—वत्, वत्पत्, वत्या, तुमुन्, यत्, तप्यत्, अनीयर, वित्तन्, शत्, शानच, तृच, च्युल, चिनि, अच्				
	(ii) तद्वितानि— मयद, तरप, तमप, ठक, इन्, अण्				
	(iii) रूपी प्रत्ययाः— दाप-डीप।				
(vi)	अव्यय—प्रयोगाः—		3	4	
	मुन्, उच्चो, नीचो, शने, अष, अह, श्य, ह्वा, प्रायः,				

	कूनम, भूय, खलु, किल, थिक, मुगापत, साथम, चिरम, इवत, तूषणीम, सहसा, मिध्या, पुरा, पठिताशेपु प्रयुक्तानि अन्यानि पदानि च					
(vii)	दिभिति प्रयोगः— उपपददिभितय (द्वितीयातः सप्तमीपर्यन्तम्)			3		4
(viii)	सरलसमत्तपदानां विग्रहः समालश्च—द्विगु, द्वच्च, तत्पुरुष, कर्मधारयः, गुणीष्ठः, अत्यधीभाषः			3		4
	कुल अंक भार	10	10	70	10	100

नोट:- 1. अद्वयार्थिक परीक्षा में सम्पूर्ण पाद्यक्रम का 70% भाग तथा यार्थिक परीक्षा में सम्पूर्ण भाग सम्मिलित होगा।

2. गोर्ड द्वारा पाद्यक्रम में की गई कटीती को प्रश्न पत्र निर्माण में सम्मिलित नहीं किया जायें।